फ्रंटलाइन संस्था द्वारा जल संरक्षण पर कोलकाता में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोलकाता(ब्यूरो)।एक शहर आधारित फ्रंटलाइन एनजीओ ने थीम पर एक इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया 'क्यों पानी की चुनौतियों को कोलकाता के नागरिकों की चिंता करनी चाहिए', प्रख्यात वक्ताओं के एक पैनल ने भाग लिया।पैटन ग्रुप के अध्यक्ष, श्री प्रियम बुधिया ने सुझाव दिया कि सभी स्कूलों और बहु मंजिला इमारतों में जल संचयन की सुविधा होनी चाहिए।

जादवपुर विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ। अरुणाभ मजूमदार और इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कोलकाता के नागरिकों को सामना करने वाली पानी की चुनौतियों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया और कहा कि केएमसी और सरकार का कर्तव्य है कि वे पर्याप्त पेयजल प्रदान करें।

विभास माईटी,पदेन मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जल आपूर्ति, कोलकाता नगर निगम ने दृढ़ता से सुझाव दिया कि सभी नागरिकों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करना चाहिए कि पानी बर्बाद न हो।कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष नारायण जैन , मॉडरेटर ,ने पानी में आर्सेनिक की समस्या पर प्रकाश डाला जिससे कई मौतें हुई। जैन ने कहा कि भारत के साथ-साथ अन्य विकासशील देशों को भी लंबे समय में पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा।वक्ताओं ने पीने के पानी की गुणवत्ता के बारे में कई मिथकों को तोड़ा, जिन्हें हम विभिन्न स्रोतों जैसे केएमसी, नगर पालिकाओं, पैक और बोतलबंद पानी और नदियों से प्राप्त होने वाले पानी से प्राप्त करते हैं और संसाधित होते हैं। इस तरह के पानी पीने के सापेक्ष गुणों और अवगुणों पर विस्तार से चर्चा की गई। एक बात जो विचार-विमर्श से सामने आई, वह यह थी कि सभी नागरिकों को पानी की बर्बादी को रोककर दैनिक जीवन में पानी का उपयोग करने के आर्थिक तरीके की आदत

डालनी चाहिए।अपने स्वागत भाषण के दौरान उन्ह की गतिविधियों पर बात की और वक्ताओं का परिचय दिया। बातचीत में बीजी रॉय, केसी तिवारी, अनिल जैन, डॉ। दीपांकर अधिया और अन्य लोगों ने खोज करने वाले सवाल पूछे जिनका जवाब वक्ताओं ने दिया।

इस अवसर पर एनजीओ ने माधव सुरेका को कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष बनने पर सम्मानित किया और आरडी काकड़ा को अखिल भारतीय फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर बधाई दी।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अशोक पुरोहित सचिव ने सभी का धन्यवाद किया।

PATTON®